पोत परिवहन मंत्रालय
सितंबर, 2020 माह की प्रमुख उपलब्धियां

<u>पत्तन</u>

(i) एसएआरओडी -पत्तन : केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित, महापत्तनों के लिए मॉडल रियायत करार (एमसीए) के संशोधनों में महापत्तनों में पीपीपी परियोजनाओं हेतु विवाद निपटान प्रक्रिया के रूप में विवादों के वहनीय समाधान के लिए एक सोसाइटी (एसएआरओडी) के गठन की परिकल्पना की गई है। एसएआरओडी-पत्तन को श्री मनसुख मांडविया, पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा दिनांक 10 सितंबर, 2020 को शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से विवादों का वहन योग्य रूप से और समय से समाधान करना तथा मध्यस्थों के रूप में तकनीकी विशेषज्ञों के एक पैनल की सहायता से विवाद समाधान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना है। एसएआरओडी-पत्तन में भारतीय पत्तन संघ (आईपीए) और इंडियन प्राइवेट पोर्ट्स एंड टर्मिनल्स एसोसिएशन (आईपीटीटीए) के सदस्य शामिल हैं। ये संस्था तीव्र, समय से, लागत प्रभावी और ठोस विवाद समाधान प्रक्रिया के कारण समुद्री क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देगी।

(ii) महापत्तनों में निष्कर्षित पदार्थ के निपटान हेतु दिशानिर्देश : पोत परिवहन मंत्रालय ने सभी महापत्तनों को निष्कर्षित पदार्थ के पुन: उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए निष्कर्षित पदार्थ के पुन: उपयोग पर अध्ययन शुरू करने हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं ताकि निष्कर्षण (ड्रेजिंग) परियोजनाओं से निष्कर्षित पदार्थ का उपयोग किया जा सके। महापत्तनों को ड्रेजिंग प्रक्रिया के दौरान प्राप्त निष्कर्षित पदार्थ के पुनचर्कण और वाणिज्यिक उपयोग के लिए उपयुक्त कार्रवाई करने हेतु भी निर्देश दिया गया है, बशर्ते इस उददेश्य के लिए संलग्न पत्तन /ठेकेदार समुचित प्राधिकारियों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करते हैं।

(iii) कोचिन पत्तन : 140 करोड़ रुपए की लागत से कोच्चि मत्स्यन बंदरगाह परियोजना के आधुनिकीकरण हेतु कोचिन पत्तन और एमपीईडीए के बीच दिनांक 28 सितंबर, 2020 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(iv) जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास (जेएनपीटी) : भारत के प्रमुख कंटेनर पत्तन, जेएनपीटी द्वारा मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) परियोजना के लिए परियोजना कार्गो ले जाने वाले एमवी पायोनियर ड्रीम की संभलाई का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) परियोजना नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे को जेएनपीटी से जोड़कर सीधी पहुंच प्रदान करेगी और पुणे एक्सप्रेसवे के लिए एक सुविधाजनक गेटवे भी उपलब्ध कराएगी। यह जेएनपीटी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि ट्रांस हार्बर लिंक के माध्यम से मुंबई की नवी मुंबई से संपर्कता मुंबई और इसके उपनगरीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

(v) हल्दिया डॉक परिसर : हल्दिया डॉक परिसर की बर्थ संख्या 13 में, दिनांक 30.9.2020 को एम.वी. *डीडी वायजर में 16190 टन स्टील कॉयल का लदान किया गया था जोकि एक दिन में स्टील कॉयल का यह एक रिकार्ड नौभार है, जिसने दिनांक 28.9.2020 को* एम.वी. *दरिया जमुना में स्टील कार्गो के 14488 टनों के पिछले सबसे बड़ी लदान को पीछे छोड़ा है।*

<u>सागरमाला</u>

सागरमाला के अंतर्गत परियोजनाएं

(i) रेवास जेएनपीटी के लगभग 10 किलोमीटर दक्षिण दिशा और मुंबई पत्तन के लगभग 16 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम दिशा में पातालगंगा नदी के मुहाने पर करंजा क्रीक के पास, रेवास क्रीक पर स्थित महाराष्ट्र के 48 गैर-महापत्तनों में से एक है। इस मंत्रालय ने सागरमाला योजना के अंतर्गत सहायता के लिए 25.07 करोड़ रुपए की कुल अनुमानित लागत पर रेवास, रायगढ़ में रो-रो सेवाओं के निर्माण के लिए महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड (एमएमबी) के एक प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। इस परियोजना में अनुमोदन जेट्टी (2207 मी*11 मी), पाइल्ड प्लेटफार्म (15.6 मी* 13.8 मी) का निर्माण और ड्रेजिंग शामिल है।

(ii) पोत परिवहन मंत्रालय ने एमएमबी को नारंगी जिला पालगढ़, महाराष्ट्र में रो-रो जेट्टी के लिए सड़क के निर्माण हेतु सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान कर दिया है। यह परियोजना विरार में खरवदेश्री में दूसरे किनारे पर रो-रो जेट्टी का उपयोग करने वाले वाहनों के आवागमन को सुगम करेगी। फेरी सड़क द्वारा 2.5 घंटों के समय के यात्रा समय को कम करेगी।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी)

एनएमएचसी परियोजना पर एक प्रस्तुति के उपरांत, स्टेट एक्सपर्ट एप्रेजल कमेटी (एसईएसी), गुजरात सरकार द्वारा राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए), गुजरात को पर्यावरण अनापत्ति (ईसी) हेतु अनुशंसा की गई है, जिसने 09 सितंबर, 2020 को परियोजना के लिए पर्यावरण अनापत्ति (ईसी) की स्वीकृति की सूचना दे दी है।

आईएनआई डिजाइन से इस परियोजना पर एक डीपीआर प्राप्त हुआ है और पूर्व समीक्षा परामर्शदाता ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। गुजरात सरकार ने एनएमएचसी, लोथल के विकास के लिए पोत परिवहन मंत्रालय, गुजरात सरकार और आईपीआरसीएल के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) हेतु अपनी स्वीकृति की सूचना दे दी है।

<u>पोत परिवहन</u>

(i) भारतीय नौवहन निगम: माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदृष्टि को पूरा करते हुए, श्री मनसुख मांडविया, माननीय पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सुश्री ऐशथ

नाहुला, परिवहन और नागर विमानन मंत्री, मालदीव द्वारा दिनांक 21.09.2020 को भारत और मालदीव के बीच एक सीधी कार्गो फेरी सेवा को हरी झंडी दिखाई गई थी। यह सेवा तूतीकोरीन और कोचीन को मालदीव के कुलथुधुफ्फुशी और माले पत्तनों को जोड़ती है। कार्गो सेवा हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों द्वारा शुरू की गई संपर्कता पहलों में एक नया अध्याय जोड़ती है।

(ii) *कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड:* कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण को रा.ज.3 में संचालित करने के लिए दो रो-रो जलयानों की सुपुर्दगी की गई, जोकि रा.ज.1, 2 और 3 के लिए कुल 10 जलयानों की श्रृंखला हेतु आदेश का एक अंग है। 56 मीटर लंबे ये रो-रो जलयान पूरे वर्ष-भर दिन और रात के संचालन के लिए इन-हाउस डिजाइन के साथ निर्मित किए गए है, जो 15 टीईयू कंटेनर ट्रेलरों और 30 यात्रियों को ले जा सकते हैं। आधुनिक संचार उपकरण से सज्जित इन उच्च श्रेणी के जलयानों में एक श्रम-दक्षता की दृष्टि से तैयार किया गया नौचालन व्हील हाउस, 8 चालक कर्मियों के लिए सुविधाजनक वातानुकूलित स्थान और ट्रकों एवं वाहनों की सुगम लदाई और उतराई के लिए एक खुला डेक है। पोत को इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग तथा केरल अंतर्देशीय जलयान नियमों के उच्चतम मानकों के अनुसार निर्मित किया गया है और प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण व अंतर्देशीय जल की संरक्षा का अनुपालन किया गया है।

<u>अंतर्देशीय जल परिवहन</u>

(i) *बंग्लादेश से होकर त्रिपुरा के लिए नई अंतर्देशीय जलमार्ग संपर्कता की शुरूआत:* भारत और बंग्लादेश के द्वारा 20 मई, 2020 को अंतर्देशीय जल पारगमन एवं व्यापार प्रोटोकॉल के दूसरे परिशिष्ट के अंतर्गत त्रिपुरा के लिए सोनामुरा (भारत) और दाउदकांडी (बंग्लादेश) के बीच एक नया भारत बंग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग खोला गया है। दिनांक 05.09.2020 को आईबीपी मार्ग पर बंग्लादेश से 200 बोरी सीमेंट का पहला अंतर्देशीय नौवहन कार्गो अगरतला पहुंचा। त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री बिप्लब कुमार देव तथा भारत में बंग्लादेश की उच्चायुक्त श्रीमती रीवा गांगुली द्वारा आईडब्ल्यूएआई सोनामुरा टर्मिनल में इस जलयान का स्वागत किया गया। इस प्रकार नये जोड़े गए आईबीपी मार्ग संख्या 9 और 10 का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। घुमटी नदी में नया खोला गया 93 कि.मी. लंबा यह मार्ग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के अन्य हिस्सों तथा बंग्लादेश के साथ आईबीपी मार्गों से होकर जलमार्गों के द्वारा जोड़ने का एक अन्य बड़ा कदम है।

(ii) *बंग्लादेश को आईडब्ल्यूटी पर कंटेनरों में टेक्सटाइल्स की सबसे पहली ढुलाई:* मैसर्स अरविंद मिल के कपड़ों की दो टीईयू को जीआर जेट्टी-2, कोलकाता से बंग्लादेश में मुक्तापुर नदी टर्मिनल तथा मैसर्स हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के हाई डेंसिटी पोली

इथिलीन (एचडीपीई) की 6 टीईयू को हल्दिया से बंग्लादेश के पनगांव तक आईडब्ल्यूटी पर पहली बार पहुंचाया गया।

(iii) *रो-पैक्स जलयानों हेतु आईडब्ल्यूएआई और असम सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू):* पोत परिवहन मंत्रालय के द्वारा अनुमोदित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुरूप आईडब्ल्यूएआई 4 रो-पैक्स जलयान नामत: एमवी सचिन देव बर्मन, एमवी रानी गाइदिन्ल्यू, एमवी जेएफआर जैकब और एमवी बोब खाथिंग असम सरकार को सौंप रहा है।